Prices **of Vanaspati and Edible Oib**

1247. SHRI HARVENDRA SINGH HANSPAL:
SHRI DHULESHWAR MEENA:
MISS SAROJ KHAPARDE:

Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

fa) whether Government's **ateallM lal** been drawn *to* a news-item which appeared i_n the Hindustan Times, Dated 8-2-91 under the caption 'Edible Oil prices up by 12 p.c.'

(b) if so, whether Government propose to direct edible oil manufacturers to bring down the prices of' their products;

(c) if so, by when and if not, the reasons therefor; and

(d) what other steps Government propose to take against edible oil manufacturers in the country?

THE MINISTER OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI RAO BIRENDRA SINGH): (a) to (c) Yes, Sir. Minister **for** Food and Civil Supplies called a meeting on 15-2-91 to discuss the price rise/availability of vanaspati. He appealed to vanaspati Associations to voluntarily reduce the prices so as to give effective relief to the consumers. The Industry's response, however, was not encouraging. They wrote back (subsequently on 20-2-1991 to suggest adjusting downwards of prices cf 15 kg. vanaspati tin by Rs. 15/- when prices of raw oils had already softened since 15-2-1991.

(d) Government's main efforts is to bring down the prices of edible oils in general, by import for Public Distribution System and increased availability of substitutes. The prices of vanaspati are Jspendent on prices of raw oils.

रेलवे में बिजली के उपयोग में किफायत

1248. सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा
श्री रणजीत सिंह :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार रेलवे में बिजली की खपत में किफायत करने के लिये गत तीन वर्षों से एक योजना कार्यान्वित कर रही है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि 1986–87 से प्रति वर्ष विद्युत ऊर्जा के उपयोग में किफायत की गई है ;

(ग) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रति वर्ष कितने प्रतिशत बिजली की बचत की गई है और इस वर्ष कितनी बिजली की बचत की जायेगी और क्या सरकार ने आने वाले वर्ष में विद्युत ऊर्जा की बचत करने के लिये लक्ष्य निर्धारित किये हैं ; और

(घ) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भक्त चरन दास) : (क) और (ख) जी, हां ।

(ग) और (घ) सूचना इकट्ठी की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी ।

यमुनानदी परियोजना

1249. श्री रणजीत सिंह : क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 4 जनवरी, 1991 के "हिन्दुस्तान टाइम्स" में "यमुना रिवर प्रोजैक्ट रीठूड" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ; और

(ख) यदि हां, तो दिल्ली में यमुना नदी के किनारे विकास के लिये बनाई गई योजना के कार्यान्वयन के बारे में सरकार ने क्या निर्णय लिया है और इस परियोजना पर कब तक कार्य प्रारंभ किये जाने की संभावना है ?

शहरी विकास मंत्री (श्री शीला राम तारण) : (क) जी, हां ।

(ख) यह परियोजना इस समय अभिकल्प-पूर्व अध्ययन अवस्था में हैं ।

रेलवे स्टेशनों पर भोजन व जलपान उपलब्ध कराने के लिए राज सहायता

1250. **डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि यात्रियों की सुविधा के लिये स्टेशनों पर तथा गाड़ियों में भोजन व जलपान की आवश्यक व्यवस्था की गई है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि इस व्यवस्था को सुचारू तथा प्रभावी ढंग से चलाने के लिये सरकार द्वारा राज-सहायता दी जाती है ;

(ग) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान सरकार द्वारा इस विभाग को कितनी धनराशि की राज-सहायता दी गई है ;

(घ) क्या इन वर्षों के दौरान यात्रियों को परोसे गये भोजन व नाश्ते आदि की गुणवत्ता में भी कोई सुधार किया गया है ; और

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और चालू वर्ष के दौरान अब तक किये गये सुधारों का ब्यौरा क्या है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भक्त चरन दास) : (क) जी, हां ।

(ख) जी नहीं ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

(घ) और (ङ) खानपान सेवा में सुधार करना एक सतत् प्रक्रिया है । इसकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये किये गये उपाय इस प्रकार हैं—आधार रसोईघरों का आधुनिकीकरण, कैसरोल सेवा शुरू करना, अच्छी गुणवत्ता की कच्ची सामग्री का इस्तेमाल, व्यंजन सूची में संशोधन, लकड़ी के कोयले का इस्तेमाल समाप्त करना, साफ सुथरे वातावरण में भोजन तैयार करना, नियमित और आकस्मिक जांच करना तथा कर्मचारियों को प्रशिक्षण देना ।

विनाशक जीवनाशियों का प्रतिकूल प्रभाव

1251. **डा० जितेन्द्र कुमार जैन :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में प्रति वर्ष रोगों व कीटाणुओं के कारण फसलों का बहुत बड़ा भाग नष्ट हो जाता है ;

(ख) यदि हां, तो इसके परिणाम-स्वरूप अनुमानित नुकसान कितना होता है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि वैज्ञानिकों ने कृषि उत्पादन पर विनाशक जीवनाशियों के इस्तेमाल के संभावित प्रतिकूल प्रभावों के संबंध में अनुसंधान कार्य शुरू किया है; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और उचित एवं निरापद विनाशक जीवनाशियों के संबंध में अनुसंधान करने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री जयन्ती लाल वीर चन्द भाई शाह) : (क) और (ख) जी, हां, हमारे देश में हर वर्ष कीटों और बीमारियों से फसलों को काफी क्षति पहुंचती है । आमतौर पर अनुमानित क्षति 10–30 प्रतिशत तक की होती है जो कि फसलों, उसकी किस्म, कीटों, मौसम तथा स्थानीय स्थिति आदि पर निर्भर करता है । यह क्षति केवल फसलों की है न कि गोदामों में रखे खाद्यान्नों की ।

(ग) और (घ) जी, हां, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में कृषि उत्पादन में कीटनाशकों के प्रयोग से होने